Literacy for a Billion

Movie: Border
Year: 1997

Song: Sandese Aate Hai
Lyricist: Javed Akhtar

ओ ...

संदेसे आते हैं हमें तड़पाते हैं
जो चिट्ठी आती है
वो पूछे जाती है
कि घर कब आओगे
कि घर कब आओगे
लिखो कब आओगे
कि तुम बिन ये घर सूना सूना है

संदेसे आते हैं हमें तड़पाते हैं
जो चिट्ठी आती है
वो पूछे जाती है
कि घर कब आओगे
कि घर कब आओगे
लिखो कब आओगे
कि तुम बिन ये घर सूना सूना है

किसी दिलवाली ने
किसी मतवाली ने
हमें खत लिखा है
ये हमसे पूछा है

किसी की साँसों ने
किसी की धड़कन ने
किसी की चूड़ी ने
किसी के कंगन ने

किसी के कजरे ने
किसी के गजरे ने
महकती सुबहों ने
मचलती शामों ने

अकेली रातों ने
अधूरी बातों ने
तरसती बाँहों ने

और पूछा है तरसी निगाहों ने
कि घर कब आओगे
कि घर कब आओगे
लिखो कब आओगे
कि तुम बिन ये दिल सूना सूना है

संदेसे आते हैं हमें तड़पाते हैं
जो चिट्ठी आती है
वो पूछे जाती है
कि घर कब आओगे
कि घर कब आओगे
लिखो कब आओगे
कि तुम बिन ये घर सूना सूना है

मोहब्बत वालों ने
हमारे यारों ने
हमें ये लिखा है
कि हमसे पूछा है

हमारे गाँव ने
आम की छाँव ने

पुराने पीपल ने
बरसते बादल ने

खेत खलियानों ने
हरे मैदानों ने
बसंती मेलों ने
झूमती बेलों ने

लचकते झूलों ने
दहकते फूलों ने
चटकती कलियों ने

और पूछा है गाँव की गलियों ने
कि घर कब आओगे
कि घर कब आओगे
लिखो कब आओगे
कि तुम बिन गाँव सूना सूना है

संदेसे आते हैं हमें तड़पाते हैं
जो चिट्ठी आती है
वो पूछे जाती है
कि घर कब आओगे
कि घर कब आओगे
लिखो कब आओगे
कि तुम बिन ये घर सूना सूना है

ओ ...

कभी इक ममता की
प्यार की गंगा की
जो चिट्ठी आती है
साथ वो लाती है

मेरे दिन बचपन के
खेल वो आँगन के
वो साया आँचल का
वो टीका काचल का

वो लोरी रातों में
वो नर्मी हाथों में
वो चाहत आँखों में
वो चिंता बातों में

बिगड़ना ऊपर से
मोहब्बत अन्दर से
करे वो देवी माँ

ये ही हर खत में पूछे मेरी माँ
कि घर कब आओगे
कि घर कब आओगे
लिखो कब आओगे
कि तुम बिन आँगन सूना सूना है

ए गुज़रने वाली हवा बता
मेरे इतना काम करेगी क्या
मेरे गाँव जा
मेरे दोस्तों को सलाम दे

मेरे गाँव में है जो वो गली
जहाँ रहती है मेरी दिलरुबा
उसे मेरे प्यार का जाम दे
उसे मेरे प्यार का जाम दे

वहीं थोड़ी दूर है घर मेरा
मेरे घर में है मेरी बूढ़ी माँ
मेरी माँ के पैरों को छूके तू
उसे उसके बेटे का नाम दे

ए गुज़रने वाली हवा ज़रा
मेरे दोस्तों मेरी दिलरुबा
मेरी माँ को मेरा पयाम दे
उन्हें जाके तू ये पयाम दे

मैं वापिस आऊँगा
मैं वापिस आऊँगा
फिर अपने गाँव में
उसी की छाँव में

कि माँ के आँचल से
गाँव के पीपल से
किसी के काजल से

किया जो वादा था वो निभाऊँगा

मैं इक दिन आऊँगा
मैं इक दिन आऊँगा
मैं इक दिन आऊँगा
मैं इक दिन आऊँगा
मैं इक दिन आऊँगा

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.